भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1142

सोमवार, 2 दिसम्बर, 2024/11 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मुर्शिदाबाद में पर्यटन सर्किट

†1142. श्री अबू ताहेर खानः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार मायापुर इस्कॉन मंदिर “श्री चैतन्य की पुण्यभूमि” और मुर्शिदाबाद के व्यापक क्षेत्रों के महत्वपूर्ण पर्यटक आकर्षणों को ध्यान में रखते हुए इन क्षेत्रों के लोगों के आर्थिक और स्व-केन्द्रित विकास पर विशेष ध्यान देते हुए एक पर्यटन सर्किट बनाने का है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ख): पर्यटन मंत्रालय "स्वदेश दर्शन" और "तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)" की योजनाओं के तहत देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन से संबंधित बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय को समय-समय पर अपनी चल रही योजनाओं के अंतर्गत अवसंरचना के विकास के संबंध में राज्य सरकारों से प्रस्ताव प्राप्त होते हैं और इन प्रस्तावों का मूल्यांकन योजना के दिशा-निर्देशों और स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार किया जाता है।

प्रशाद योजना के अंतर्गत 30.03 करोड़ रुपये की लागत से 'बेलूर मठ का विकास' नामक परियोजना को मंजूरी दी गई है तथा पश्चिम बंगाल में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत 67.99 करोड़ रुपये की लागत से 'समुद्र तट (बीच) परिपथ का विकास: उदयपुर - दीघा - शंकरपुर - ताजपुर - मंदारमणि - फ्रेजरगंज - बक्खलाई - हेनरी द्वीप' नामक परियोजना को मंजूरी दी गई है।

*****